

ORIENTAL STUDIES TRIPOS Part II

South Asian Studies

Friday 30 May 2008

09.00 – 12.00

SA.17 HINDI TEXTS, 4

Candidates should translate all Hindi passages into English and answer two out of the four essay questions.

*Write your number **not** your name on the cover sheet of each Section booklet.*

STATIONERY REQUIREMENTS

20 Page Answer Book x 1

Rough Work Pad

**You may not start to read the questions
printed on the subsequent pages of this
question paper until instructed that you may
do so by the Invigilator.**

1. Translate the following passage into English:

अब रिक्शा एक ऐसी जगह से गुजर रहा था, जहाँ एक होटल के सामने स्थित फुटपाथ पर आठ-दस आदमी खड़े थे। उनमें दो या तीन पहलवान क्री तरह थे और लाल अँगोछा तथा बनियान पहने थे। उनमें से किसी एक ने रिक्शे की ओर इशारा किया। इसके बाद सभी खूँखार दृष्टि से रिक्शे की ओर घूरने लगे। सहसा दाढ़ीवाले मुसलमान के मुँह से निकला, 'या खुदा!' राम ने चौंककर देखा। दाढ़ीवाले व्यक्ति ने अपना माथा रिक्शे की पीठ पर टेक दिया था। उसकी आँखें ऊपर टँग गई थीं और उसके पैर बुरी तरह काँप रहे थे। कारण समझने में उसको देरी नहीं लगी, जिससे वह स्वयं इतना डर रहा था, उसको इस तरह डरा हुआ देखकर उसको कुछ संतोष हुआ! पर क्या वह मरनेवाला तो नहीं! कुछ देर पहले उसकी भी तो ऐसी ही हालत हो गई थी!

"सुनिए... होश में आइए..." राम ने उसके शरीर को हिलाकर कहा।

दाढ़ीवाले व्यक्ति ने बहुत ही बेचारगी से उसकी ओर देखा। पर उसके मुँह से कोई आवाज नहीं निकली।

"क्या तबीयत खराब है?"

"नहीं..." उसके मुँह से अस्फुट स्वर निकला।

"कोई बात नहीं है।" राम ने आश्वासन दिया।

उसके मुँह से अनजाने में ये बातें निकली थीं और इस पर उसको कुछ आश्चर्य हुआ। उसको याद आया कि कुछ दिन पहले वह इंसान था। हाँ, इंसान! क्या अभ्यासवश उसके मुँह से ये बातें निकली थीं!

रिक्शा आगे निकल गया। अब वह दाढ़ीवाला व्यक्ति सीधा बैठ गया था।

AMARKANT, "Maut kaa Nagar", pp. 35-36.

(15 marks)

2. Translate the following passage into English:

“वहाँ से बर्फ का रंग बिल्कुल नीला दीखता है। मैंने एक कलर्ड फोटो लिया है...” वह उस फोटो को लाने के लिए दूसरे कमरे में चले-गये। मैं मेज पर रखी अलबमों को उलटने-पलटने लगा। हर फोटो में शिमले का कोई-न-कोई दृश्य था : ग्लैन, जाखू, चैटविक फॉल। मैंने इन सब स्थानों को आसानी से पहचान लिया। कुछ देर बाद जब बीरेन चाचा नहीं आये, तो मैं ऊब गया। पास किताबों के शेल्फ पर एक छोटा-सा अलबम कोने में रखा था, मैंने उसे खोला और खोलते ही एक क्षण के लिए मुझे लगा—यह चेहरा मैंने कहीं देखा है, किन्तु दूसरे ही क्षण मेरी आँखें स्तब्ध-सी स्थिर हो गयीं। फोटो माँ का था।

क्या माँ कभी ऐसी थीं? मैं भीतर कहीं एक गहरा-सा साँस उखड़ आया। वही चौड़ा-सा माथा, किन्तु उस पर छोटी-सी बिन्दी लगी थी, जो माँ अब नहीं लगाती, दोनों चोटियाँ कन्धे के नीचे लटक रही थीं, पूरे स्लीव का स्वेटर पहन रखा था और बालों के भीतर वही छोटे-छोटे कान छिपे थे। सहसा मुझे आभास हुआ कि इस चेहरे में कुछ ऐसा है, जिसका मुझसे कोई सम्बन्ध नहीं, बाबू से कोई सम्बन्ध नहीं।

फोटो माँ का था, लेकिन उसमें माँ कहाँ थीं?

अचानक मुझे बीरेन चाचा के पैरों की आहट सुनायी दी। न जाने मैं भीतर क्या चोर छिपा था कि मैंने डरकर झटपट वह अलबम किताबों में छिपा दी।

जब हम वापिस लॉन में आये तो हल्का, फीका-फीका-सा अँधेरा छाने लगा था। माँ शाल में दुबकी हुई पत्थर की बेंच पर बैठी थीं।

“इतनी देर कहाँ लगा दी?” उन्होंने मुझे खींचकर अपने से सटा लिया। बीरेन चाचा माँ के पैरों के निकट घास पर बैठ गये। मेरी आँखें माँ के चेहरे पर टिकी रहीं, मानों मैं कुछ खोज रहा हूँ, माँ की आँखें, मुँह, माथा हर चीज अलग-अलग देखो तो वैसी ही थी, किन्तु आपस में मिलकर जो भाव बनता था, वह उस चेहरे से बिल्कुल अलग था, जो मैंने अभी कुछ देर पहले बीरेन चाचा की अलबम में देखा था।

NIRMAL VERMA, “Andhere Mem”, pp. 43

(20 marks)

(TURN OVER)

3. Translate the following passage into English:

कृपाचार्य. बैठी,
 इधर बैठी वत्स
 हम सब हैं साथ तुम्हारे
 इस प्रतिदिना में
 किन्तु यदि छिप कर आक्रमण के सिवा
 कोई दूसरा पथ निकल आये।
 अश्वत्थामा. दूसरा पथ !
 पांडवों ने क्या कोई दूसरा पथ छोड़ा है ?
 पांडवों की मर्यादा
 मैंने आज देखी द्रुपद्युद्ध में,
 कैसे अधर्मयुक्त वारु से
 दुर्योधन को नीचे गिरा दिया भीम ने
 टूटी जाँघों, टूटी कोहनी, टूटी गर्दन वाले
 दुर्योधन के माथे पर रख कर पाँव
 पूरा बोझ डाले हुए भीम ने
 बाँधे फैला कर पशुवत् घोर नाद किया
 कैसे दुर्योधन की दोनों कनपटियों पर
 दो-दो नसें सहसा फूलीं और फूट गयीं
 कैसे होठ खिंच आये
 टूटी हुई जाँघों में एक बार हरकत हुई
 आँखें खो
 दुर्योधन ने देखा
 अपनी प्रजाओं को।
 कृपाचार्य. बस करो अश्वत्थामा
 शायद तुम्हारा ही पथ
 एक मात्र सम्भव पथ है।

DHARAMVEER BHARTI, *Andha Yug*, pp. 51

(15 marks)

4. Translate the following passage into English:

स्त्री अत्यधिक त्याग केवल इसलिए नहीं करती, अत्यधिक सहनशील केवल इसलिए नहीं होती कि पुरुष उसे हीन समझ कर इसके लिए बाध्य करता है। यदि हम ध्यान से देखेंगे तो ज्ञात होगा कि उसे ये गुण मातृत्व की पूर्ति के लिए प्रकृति से मिले हैं। ये अच्छे हैं या बुरे, इसकी विवेचना से विशेष अर्थ न निकलेगा, जानना इतना ही है कि ये प्राकृतिक हैं या नहीं। इस विषय में स्त्री स्वयं भी अन्धकार में नहीं है। वह अपनी प्रकृति-जनित कोमलता को त्रुटि चाहे मानती हो, परन्तु उसे स्वाभाविक अवश्य समझती है, अन्यथा उसके इतने प्रयास का कोई अर्थ न होता। परिस्थितिजन्य दोष जितने शीघ्र मिट सकते हैं उतने संस्कारजन्य नहीं मिटते, यही विचार स्त्री को आवश्यकता से अधिक कठोर बने रहने को विवश कर देता है। परन्तु यह कठिनता इतनी सयल होती है कि स्त्री स्वयं भी सुखी नहीं हो पाती। कवच बाहर की बाण-वर्षा से शरीर को बचाता है, परन्तु अपना भार शरीर पर डाले बिना नहीं रह सकता।

आधुनिक स्त्री ने अपने जीवन को इतने परिश्रम और यत्न से जो रूप दिया है वह कितना स्वाभाविक हो सकता है, यह कहना अभी सम्भव नहीं। हाँ, इतना कह सकते हैं कि वह बहुत सुन्दर भविष्य का परिचायक नहीं जान पड़ता। स्त्री के लिए यदि उसे किसी प्रकार उपयोगी समझ भी लिया जावे तो भावी नागरिकों के लिए उसकी उपयोगिता समझ सकना कठिन ही है।

MAHADEVI VERMA, "Aadhunik Naari", *Shrinkala ki Kadiyan*, pp. 44

(20 marks)

(TURN OVER)

5. Write short essays in **English** on **two** of the following: (15 marks each)
- a) Discuss Amarkant's use of language, imagery and aesthetic style in *Maut ka Nagar* in relation to the Nai Kahani movement.
 - b) What qualities, in Mahadevi Verma's view, characterise the ideal modern woman?
 - c) How does the fight between the children in Krishna Sobti's *Dil-O-Danish* shed light on the complex relationship between Kripanarayan, Kutumb and Mehak?
 - d) How does the focalisation of Nirmal Verma's *Andere Mem* through the eyes of a child contribute to the tension and mood of the story?

END OF PAPER